बिहार में मेगा इंडस्ट्री प्लेयर्स

चर्चा में क्यों?

हाल ही में बिहार को **वर्ष 2022 और 2024** के बीच **12,000 करोड़ रुपए** के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जो वर्ष 2016 तथा 2022 के बीच प्राप्त 2,500 करोड़ रुपए की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है।

//

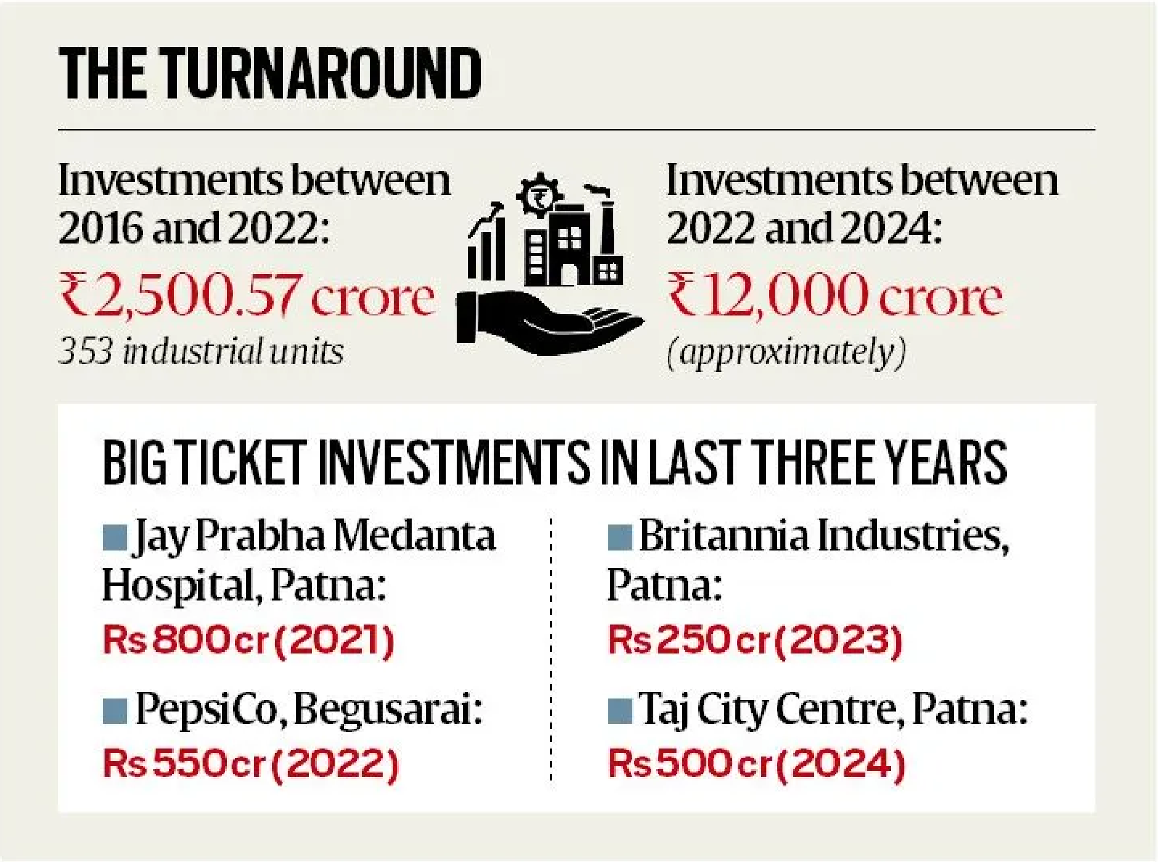

मुख्य बिंदु

- **निवेशक:** ब्रिटानिया, पेप्सिको, टाटा समूह और मेदांता जैसी प्रमुख कंपनियाँ राज्य में निवेश कर रही हैं।
- **क्षेत्रीय केंद्र/फोकस:** निवेश मुख्य रूप से कपड़ा, चमड़ा, खाद्य प्रसंस्करण और सीमेंट उद्योगों में है।
  - प्रमुख परियोजनाओं में **अंबुजा सीमेंट्स की 1,600 करोड़ रुपए की इकाई,** टाटा समूह का ताज होटल और मेदांता का अस्पताल शामिल हैं।
  - निजी खिलाड़ियों के आने से स्वास्थ्य सेवा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिससे सरकारी अस्पतालों पर बोझ कम हुआ है।
  - प्रचुर मात्रा में कच्चे माल द्वारा समर्थित खाद्य प्रसंस्करण में बिहार की ताकत को भविष्य के निवेश**वृद्धि के लिये एक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में मान्यता दी गई है।**
- **उद्योग के लिये सरकारी पहल: राज्य ने पिछले दो वर्षों में 5,000 एकड़ का भूमि बैंक बनाया है और 7,592 एकड़ भूमि पट्टे पर दी है।**
  - **31 ज़िलों** में नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किये जा रहे हैं तथा **पश्चिमी चंपारण और बक्सर में विशेष आर्थिक क्षेत्र (Special Economic Zones- SEZ) की योजना** बनाई गई है।
- **चुनौतियाँ: प्रगति के बावजूद, निवेशकों को भूमि की उपलब्धता, बुनियादी ढाँचे,** व्यापार करने में आसानी **और श्रमिक अशांति की समस्याओं**

का सामना करना पड़ रहा है।

- सरकार ने **एकल खिड़की प्रणाली** को बढ़ाने और सरकारी प्रोत्साहन बढ़ाने के महत्त्व पर बल दिया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mega-industry-players-in-bihar